देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 219 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
भविष्य की जरूरत

पेज थ्री

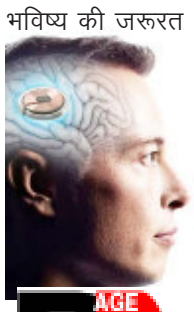

देहरादून, शनिवार, 7 दिसंबर 2024

मौसम अधिकतम 19.0° न्यूनतम 08.0°

82924.41

2 इमरान खान के खिलाफ अभियोग तय

7 स्टार्क ने पहली पारी में झटके 6 विकेट

बच्चों को बेहतर शिक्षा देना हमारा उदेश्य: सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मल्लिकार्जुन स्कूल लोहाघाट का दीप प्रज्वलित कर लोकार्पण करते हुए कहा कि शहर के बच्चे को बेहतर शिक्षा देना हमारा उदेश्य होना चाहिए उन्होने कहा कि यह विद्यालय स्व. मल्लिकार्जुन जोशी जी द्वारा इस क्षेत्र में बच्चों को उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए जो परिकल्पना की गई थी उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा की प्रयासरत है। उन्होंने कहा की विद्यालय कि प्रयोगशाला में बच्चों ने बहुत ही शानदार प्रयोग का प्रदर्शन किया है इसके लिये उन्होने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीएम ने कहा कि मल्लिकार्जुन विद्यालय के बच्चे हमारा भविष्य हैं। इनमें से कोई डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, पत्रकार, प्रशासनिक सेवा में जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में भी वे जाएंगे उन क्षेत्रों को नेतृत्व देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिक शिक्षा माता–पिता से प्रारंभ होती है उसके बाद बच्चों को शिक्षा, संस्कार, व्यक्तित्व का विकास विद्यालय द्वारा किया जाता है। शिक्षण संस्थान बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था किसी भी समाज के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ उनके संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस नए विद्यालय का लोकार्पण हुआ है उम्मीद है कि शिक्षा के क्षेत्र में और तेज गति से हमारे छात्र–छात्राओं को रोजगार परक शिक्षा देकर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उनको सफलता प्राप्त करने में सहायता करेंगे। उन्होंने नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति आने से शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन मिलना प्रारंभ हुआ है जिससे बच्चों और युवाओं में निश्चित रूप से एक वैज्ञानिक सोच का भी विकास होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने स्कूली शिक्षा में नई शिक्षा नीति को लागू किया है। पर्वतीय,सीमांत क्षेत्रों से नौजवान निकलकर पूरी दुनिया में अपना नाम रोशन कर नए कीर्तिमान स्थापित करने का काम करेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया मल्लिकार्जुन स्कूल लोहाघाट का लोकार्पण

ऐतिहासिक फैसलों के लिए उत्तराखण्ड की बन रही अलग पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की आज अनेक ऐतिहासिक फैसलों के लिए पूरे देश में एक मॉडल के रूप में पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि परिक्षाओं के पहले नकल के कारण से हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। परिणाम में जिनका नाम आना चाहिए चयन सूची में उनका नाम नहीं आता था। राज्य सरकार ने दिशा की पहल कर पूरी तरह से नकल के विरुद्ध कड़े निर्णय लेते हुए देश का सबसे कठोर नकलरोधी कानून बनाया। इस कानून के तहत नकल में पकड़े जो भी व्यक्ति चाहे छोटा हो बड़ा हो कोई अधिकारी क्यों न हो उसके खिलाफ हमने कड़ी कार्रवाई की है।

आदर्श जनपद चम्पावत की परिकल्पना हो रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आदर्श जनपद चंपावत की परिकल्पना की ओर तेज गति से अग्रसर है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य गतिमान है,जिले में सम्पर्क फाउंडेशन द्वारा 333 राजकीय प्राथमिक एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट टीवी विषयवार फ्री लोडेड उपलब्ध कराई गई है। यूकॉस्ट के माध्यम से चंपावत में साइंस सेंटर बनाया जा रहा है। जिले में लैब ऑन व्हील कार्यक्रम के अंतर्गत जो 20 विद्यालय लिए हैं उनमें साइंस मॉडल प्रदर्शनी , विज्ञान के प्रयोगात्मक गतिविधियां संपन्न कराई जा रही है। टनकपुर में पुस्तकालय के निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 5 लाख की डीपीआर तैयार हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

9 दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करेंगे विदेश सचिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव 9 दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करने वाले हैं और वे अपने समकक्ष से मिलेंगे और इस यात्रा के दौरान कई अन्य बैठकें भी होंगी। विदेश सचिव के नेतृत्व में विदेश कार्यालय परामर्श भारत और बांग्लादेश के बीच एक संरचित जुड़ाव है। हम इस बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वहीं सीरिया में हाल ही में हुए घटनाक्रमों पर उन्होंने कहा कि, हमने सीरिया के उत्तर में हाल ही में लड़ाई में हुई बढ़ोतरी पर ध्यान दिया है।

किसानों को रोकने पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच कर रहे किसानों को रोके जाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने कहा कि उनपर आंसू गैस के गोले दागना और उनको निंदनीय है। सरकार को उनकी मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।

किसानों ने दिल्ली कूच को लिया वापस

आठ दिसंबर को दोपहर 12 बजे करेगा कूच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चंडीगढ़। किसानों ने दिल्ली कूच को वापस ले लिया है। पंजाब हरियाणा के शंभू बार्डर पर पुलिस की कार्रवाई के बाद किसान संगठनों ने यह फैसला लिया है। किसान नेता सरवन पंधेर ने किसानों को वापस बुलाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि आज रात की मीटिंग में आगे की रणनीति बनाई जाएगी। किसान संगठनों ने आज शाम को दिल्ली कूच का ऐलान किया था। इसके लिए 101 किसानों की सूची भी जारी की थी। पुलिस के तीखी झड़प के बाद किसान नेताओं ने करीब 3 बजे ने दिल्ली कूच को स्थगित कर दिया।

दिल्ली कूच रहे किसानों ने शंभू बॉर्डर के जरिये हरियाणा में एंट्री करने की कोशिश की, मगर पुलिस की सुरक्षा और बैरिकेडिंग के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। बैरिकेड तोड़ रहे किसानों पर पुलिस ने आंसू गैस छोड़े। इस कारण बॉर्डर पर काफी तनाव रहा। हरियाणा सरकार ने अंबाला में सर्तकता के तौर पर इंटरनेट भी बंद कर दिया है। किसाना संसद के मौजूदा सत्र के बीच दिल्ली पहुंचकर सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं। उनकी मांग है कि सरकार एमएसपी पर कानूनी गारंटी दे। किसान संगठनों ने सरकार के सामने कुल 12 मांगें रखी हैं। वहीं मौके पर घोषणा भी की गई कि सरकारी संपत्ति का नुक्सान न करो, पुलिस कार्रवाई की जाएगी, हालांकि किसान आगे बढ़ने को अडिग हैं, तो वहीं दूसरी किसान आंदोलन पर राजनीति भी गरमाने लगी है। कांग्रेस ने किसानों को रोकने को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है।

आंदोलन को लेकर किसानों में दो फाड़

10 फीसदी भूखंड देने समेत मांगों को लेकर दस संगठनों के दिल्ली कूच के आंदोलन को लेकर किसानों में दो फाड हो गए है। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने लाइव आकर सोशल मिडिया पर दिल्ली कूच न करने की बात कही है। वहीं नौ संगठन अभी भी दिल्ली कूच कर गिरफ्तारी देने में लगे है। शुक्रवार को भी परी चौक पर पचास से अधिक किसान और महिलाओं को दिल्ली कूच करने के प्रयास में पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कांग्रेसी नेताओं के पास बहुत पैसे है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की बेंच पर नोटों के बंडल मिलने से राजनीति गर्मा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। भाजपा नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस पूरी नकदी के स्त्रोत पर संदेह जताया। कांग्रेसी नेता पर कटाक्ष करते हुए भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेसियों के पास इतना पैसा है कि पैसे के हिसाब लेने या फिर पैसे को बैंच से उठाने का कष्ट भी नहीं करना चाहते।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता नोटों के मिलने के बाद उस पर दावा भी नहीं कर रहे हैं। ऐसा है तो फिर यह पूरी घटना संदेह पैदा करती है कि आखिर यह पैसा आया कहां से, इस पूरी घटना की जांच होनी चाहिए और जो भी सच है वह जनता के आगे आना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पार्टी के ऊपर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए कहा कि वैसे तो विपक्ष में बैठी कांग्रेस हर बात पर सवाल उठाती है.. हर बात पर जवाब चाहती है लेकिन अब जब संसद में इतनी नकदी मिलने की बात सामने आई तो इसका हिसाब देने से इनकार कर रही है।

तंज

■सिंघवी की सीट से नोटों के बंडल मिलने पर भाजपा का तंज

सिंघवी बोले- मुझे पता ही नहीं

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पूरे आरोप पर जवाब देते हुए कहा कि मैं इस बारे में जानकर खुद भी आश्चर्यचकित हूं। मुझे इन नोटों बारे में नहीं पता। निश्चित तौर पर इसकी जांच होनी चाहिए कि बिना किसी परमीशन के लोग कैसे अंदर आ सकते हैं और किसी की सीट पर कैसे कुछ भी रख सकते हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

उत्तराखंड में आठ स्थानों पर हैलीपोर्ट बनकर तैयार

संवाददाता

देहरादून। भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच आसान बनाने के लिए सरकार राज्य में हवाई सेवाओं के लिए मजबूत बुनियादी सेवाएं जुटा रही है। इसी क्रम में बीते दो साल में राज्य में आठ स्थानों पर हैलीपोर्ट बनकर तैयार हो चुके हैं। जबकि छह अन्य स्थानों पर हेलीपोर्ट का निर्माण प्रगति पर है।

■ हैलीपैड के जरिए हवाई यातायात का मजबूत नेटवर्क तैयार

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) बीते दो साल में सहस्रधारा, श्रीनगर, गौचर, चिन्यालीसौड़, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और मुनस्यारी में हैलीपोर्ट तैयार कर चुका है, जो अब यात्रियों को अपनी नियमित सेवाएं दे रहे हैं। इसके बाद यूकाडा त्रिजुगीनारायण, जोशीमठ, मसूरी, रामनगर, बागेश्वर, हरिद्वार में हैलीपोर्ट पर काम प्रारंभ कर चुका है। इन सभी जगह अगले एक साल में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यूकाडा के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी दयानंद सरस्वती के मुताबिक इसके साथ ही राज्य में अब 100 से अधिक हैलीपैड बनकर तैयार हो चुके हैं।

न्यूज डायरी

हटेंगे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति या बच के निकलने की अभी भी है संभावना!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। साउथ कोरिया की सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति यून सुक–योल पर महाभियोग चलाने के संकेत दिए हैं। पीपुल्स पावर पार्टी के महासचिव हान डोंग–हुन ने कहा कि वे राष्ट्रपति की संवैधानिक शक्ति को कम किया जाना जरूरी है। सत्ताधारी पार्टी पीपुल्स पावर पार्टी के नेता डोंग–हुन ने गुरुवार को कहा, मुझे जानकारी मिली है कि राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने के दौरान कई नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए सेना का इस्तेमाल करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि इसमें मेरा नाम भी शामिल था। वह लोकतंत्र के लिए खतरा बन चुके हैं। उन्हें अब अपना पद छोड़ देना चाहिए। इससे पहले सत्ताधारी पार्टी ने राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने से इनकार कर दिया था। डांग–हुन ने गुरुवार को कहा था कि वे महाभियोग के प्रस्ताव को खारिज करने की कोशिश करेंगे। हालांकि तब भी उन्होंने राष्ट्रपति के मार्शल लॉ को लागू करने के फैसले को असंवैधानिक करार दिया था। लेकिन अब उनके बयान को राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू कर दिया था। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर उत्तर कोरिया के साथ सांठगांठ रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। हालांकि यह सिर्फ 6 घंटे ही रह पाया क्योंकि विपक्षी पार्टियों ने संसद में वोटिंग कराकर इसे पलट दिया। इसके बाद से विपक्षी पार्टियां राष्ट्रपति यून से इस्तीफा मांग रही हैं।

फ्रांस में राजनीतिक संकट के बीच नए पीएम की तलाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एपी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों एक दिन पहले नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद इस्तीफा दे चुके मिशेल बार्नियर की जगह नया प्रधानमंत्री तलाशने में जुटे हैं। मैक्रों के समक्ष इस राजनीतिक संकट को दूर करने की बड़ी चुनौती है क्योंकि अल्पमत की उनकी सरकार को अगले साल बजट पास करना है और संवैधानिक रूप से अब नए चुनाव जुलाई के बाद ही हो सकते हैं। महज तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने बार्नियर आधुनिक फ्रांस के इतिहास में सबसे अल्पअवधि की सरकार चलाने वाले पीएम रहे हैं। एल्सी पैलेस का कहना है कि मैक्रों ने बार्नियर और उनकी सरकार को नई सरकार के गठन तक बतौर कार्यवाहक सरकार काम करने को कहा है। दरअसल मैक्रों चाहते हैं कि शनिवार को नात्रे डैम कैथेड्रिल के फिर से खुलने के समारोह को सुचारु रूप से आयोजित किया जाए, जिसमें अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल होने वाले हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का कार्यकाल वर्ष 2027 तक है और उन्होंने विपक्ष के इस्तीफे की मांग को खारिज करते हुए कहा कि वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। मौजूदा फ्रेंच संविधान के तहत नेशनल असेंबली में उनकी सरकार गिरने से उनके कार्यकाल पर असर नहीं होगा।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी मीडिया को फिर जगी उम्मीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत भले ही इस बार पहले से तय लग रही थी, लेकिन 2016 में हालात इसके ठीक उलट थे। डोनाल्ड ट्रंप के सामने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन थी और माहौल लगभग उनके पक्ष में था। लेकिन जो नतीजे आए, उसने पूरे अमेरिका को चौंका दिया। डोनाल्ड ट्रंप चुनाव जीत चुके थे। ये पल रिपब्लिकन पार्टी के लिए जितना महत्वपूर्ण था, उससे कहीं ज्यादा अमेरिकी मीडिया के लिए भी था। क्योंकि सिर्फ एक जीत ने रातों रात अमेरिकी मीडिया के बिजनेस को बूस्ट दे दिया था। लोग टेलीविजन से चिपके हुए थे। टीवी चैनलों की रेटिंग बढ़ने लगी थी। डिजिटल न्यूजपेपर के सब्सक्रिप्शन खरीदे जा रहे थे। अमेरिका मीडिया के शेयर अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच रहे थे। ये सब कुछ तब हो रहा था, जब डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की कमान संभालने वाले थे। वहीं डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें अमेरिका का मेन स्ट्रीम मीडिया कुछ खास पसंद नहीं है। अब कैलेंडर करीब 8 साल आगे बढ़ गया है। एक बार फिर अमेरिका की कमान डोनाल्ड ट्रंप के हाथों में है। माना जा रहा है कि ट्रंप की इस जीत का लाभ एक बार फिर अमेरिकी मीडिया को मिल सकता है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक में फर्क नहीं: यूनुस

बांग्लादेश के धर्मगुरुओं से मिले मोहम्मद यूनुस

रिपोर्ट

- सुरक्षा पर हिंदुओं को दिया बड़ा भरोसा, हम सब बांग्लादेशी हैं, दुश्मन नहीं
- बोले– बांग्लेदेश में सबको अपने धर्म के पालन का अधिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

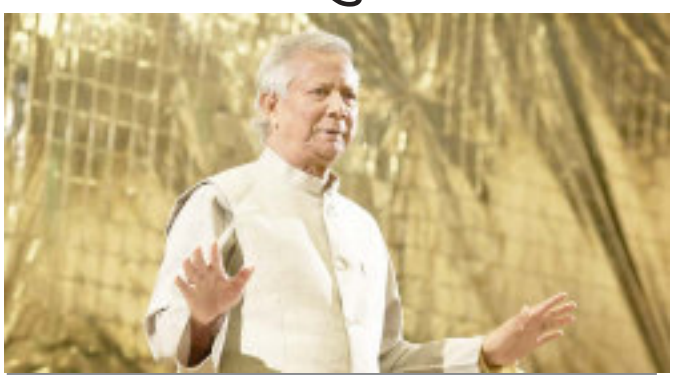

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद लगातार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इसके बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों की खबरें भी आई हैं। इससे बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदाय में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता है। देश में बढ़ते तनाव के बीच मुहम्मद यूनुस ने धार्मिक नेताओं से संपर्क किया है। यूनुस ने देश की स्थिति को सुधारने के लिए सभी धर्मों के नेताओं से सहयोग मांगा है और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हमलों की सही जानकारी इकट्ठा करने और कार्रवाई की बात कही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, धार्मिक नेताओं के साथ बैठक में यूनुस ने कहा, अल्पसंख्यकों पर हमलों का मुद्दा बार–बार उठ रहा है लेकिन वास्तविकता और विदेशी मीडिया के दावों में अंतर है। हम सटीक जानकारी चाहते हैं। सही जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया स्थापित करना चाहते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जानकारी सुरक्षित रूप से एकत्र की जाए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ढाका में फॉरेन सर्विस अकादमी में विभिन्न धार्मिक समुदायों के सदस्यों के साथ बात करते हुए यूनुस ने कहा, हमारे धर्म अलग होने की वजह से कुछ मतभेद हो सकते हैं लेकिन हम एक–दूसरे के दुश्मन नहीं हैं। हम सभी एक परिवार के सदस्य हैं और सभी के समान अधिकार हैं। हमारे संविधान ने सभी को बराबर के हक दिए हैं।

यूनुस ने सभी की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि अगर देश में अल्पसंख्यकों पर हमले की कोई घटना होती है तो ऐसी घटना पर कार्रवाई होनी चाहिए और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाना चाहिए। जो दोषी मिले, उसे उसके काम के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही ऐसे कदम भी उठाने चाहिए, जो ऐसी घटनाओं को होने से रोकें।

यूनुस ने इस दौरान पद संभालने के कुछ दिन बाद दुर्गा पूजा के दौरान ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर की अपनी यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तब देश में हिंदू त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सभी वर्गों के लोग इसमें शामिल हुए और इस आयोजन को राष्ट्रीय उत्सव में बदल दिया। यही होना चाहिए कि सभी को अपने धर्म का पालन करना हक मिले। ये हक संविधान से मिले हैं और इन्हें बनाए रखना स्टेट का काम है।

सेना मुख्यालय पर हमला मामले में इमरान के खिलाफ अभियोग तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए सत्ता और सेना से टकराव मोल लेना महंगा साबित होता जा रहा है। रावपिंडी स्थित अदियाला जेल में आतंकवादी कोर्ट (एटीसी) न्यायाधीश अमजद अली शाह की अदालत ने गुरुवार को इसी जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान और अलावा पूर्व गृह मंत्री शेख राशिद, पूर्व प्रांतीय कानून मंत्री राजा बहारत और विपक्ष के वर्तमान नेता उमर अयूब समेत पीटीआई के कुछ अन्य नेताओं के विरुद्ध जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) पर हमला मामले में अभियोग निर्धारित कर दिया। अपने विरुद्ध आरोप सुनाए जाने के बाद इमरान ने स्वयं को निर्दोष बताया।

उधर इस्लामाबाद की एक अदालत ने इमरान की पत्नी बुशरा बीबी के विरुद्ध नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने की अनुमति दी है। विचाराधीन तोशाखाना मामले में नौ महीने जेल में रहने के बाद अक्टूबर में बुशरा रिहा हुई हैं। पिछले सप्ताह समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन के बाद इस्लामाबाद में इमरान के विरुद्ध 14 मामले पंजीकृत होने के साथ ही देश की राजधानी में दर्ज मामलों की संख्या 76 हो गई है।

अंतरिक्ष में 6 महीने से फंसी हैं सुनीता विलियम्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केप केनवेरल। भारतवंशी अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स अपने साथी अंतरिक्षयात्री बुच विल्मोर के साथ छह महीने से अंतरिक्ष में फंसी हैं। दोनों को अंतरिक्ष में गए हुए छह महीने हो गए। धरती पर लौटने में अभी दो महीने और बाकी है। बोइंग के नए स्टारलाइनर क्रू कैप्सूल से दोनों पांच जून को अंतरिक्ष में गए थे। उन्हें एक सप्ताह में वापस लौटना था, लेकिन स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में खराबी आने के कारण दोनों अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। नासा ने अंतरिक्ष यान को वापसी की उड़ान के लिए बहुत जोखिम भरा माना, इसलिए उन्हें धरती पर वापस आने के लिए फरवरी तक इंतजार करना पड़ेगा। सुनीता और विल्मोर की वापसी के लिए नासा ने अपना अभियान शुरू कर दिया है। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी के लिए 28 सितंबर 2024 को स्पेसएक्स क्रू–9 मिशन को लॉन्च किया गया।

पाकिस्तान के तटरक्षकों ने भारतीय मछुआरों को बचाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पाकिस्तानी पत्रकार ने इसे अमन की आशा बताया

इस्लामाबाद। भारत और पाकिस्तान के तटरक्षकों ने साथ मिलकर एक ऑपरेशन को अंजाम दिया। इसके जरिए 12 भारतीय मछुआरों की जान बचाई गई, जो समुद्र में एक जहाज डूबने के बाद रेस्क्यू जहाज पर सवार थे। पाकिस्तान ने इन्हें बचाने के लिए अपने विमानों को तैनात किया। पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा इसे अमन की आशा बता रहे हैं। भारतीय तटरक्षकों के मुताबिक डूबे हुए मछुआरे डैट अल पिरानपीर के चालक दल थे, जिन्हें उत्तरी अरब सागर में बचा लिया गया।

यह जहाज पोरबंदर से रवाना हुआ था और ईरान के बंदर अब्बास के रास्ते में था। 4 दिसंबर की सुबह समुद्री लहरों के कारण डूब गया। कमर चीमा ने कहा कि पाकिस्तानी कोस्टगार्ड की ओर से भारतीय नाविकों को बचाना शांति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब थे और यह ऐसे ही रहने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब किसी की जिंदगी और मौत का सवाल हो तो वही करना चाहिए, जो हुआ है। चाहे वह भारत हो या पाकिस्तान।

कमर चीमा ने आगे कहा, श्भारतीय कोस्ट गार्ड और पाकिस्तान मारीटाइम एजेंसी बेहद प्रोफेशनल है। इस ऑपरेशन से यह संदेश जाएगा कि हम मिलकर काम कर सकते हैं। यह दिखता है कि भले हम बात न करें लेकिन इंसानियत के लिए साथ आ सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, नफरत बेचना हो तो बहुत बिकती है। नफरत आग की रफ्तार से फैलती है। मोहब्बत के लिए बड़ा टाइम निकालना पड़ता है।

कमर चीमा ने ऑपरेशन पर बोलते हुए कहा, यह कहानी भारतीय मीडिया में भी छपी है। यह एक आशा की किरण है। नफरत अपनी जगह चलती रहती है। लेकिन मोहब्बत के लिए काम होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, श्दोनों देशों की फौजों ने सीजफायर किया यह मिलिट्री डिप्लोमेसी है। पाकिस्तान और भारत दोनों की सेनाओं ने कोशिश की। जो काम राजनीतिक डिप्लोमेसी नहीं कर पाई वह मिलिट्री डिप्लोमेसी ने कर दिखाया।

विदेशियों को साथी चुन रहीं एशियाई महिलाएं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरियन सभ्यता में एक प्राचीन नियम है। इसके मुताबिक, महिलाओं को शादी से पहले अपने पिता, शादी के बाद अपने पति और विधवा होने के बाद अपने बेटे का आदेश मानना चाहिए। ये कुछ और नहीं, बल्कि पुरुष प्रधान समाज की वह झलक है, जो भारत समेत सभी एशियाई देशों में देखने को मिल जाती है। बीते 70 सालों में साउथ कोरिया में जबरदस्त विकास हुआ है, लेकिन बावजूद इसके यह देश पितृसत्ता से आजाद नहीं हो पाया है। यही वजह है कि दक्षिण कोरिया और जापान की महिलाएं शादी नहीं करना चाहतीं। कुछ ऐसी भी हैं, जो इस पितृसत्ता से बचने के लिए विदेशियों (एशिया से बाहर) से शादी कर रही हैं। हालांकि जापान में विदेशियों से शादी अभी इतनी आम नहीं है। 1970 तक यह आंकड़ा महज 0.5 फीसदी था, जो 2006 में 6 फीसदी पर ही पहुंच पाया।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

नकली या सब स्टैंडर्ड दवा निर्माताओं के खिलाफ होगी कठोर कार्रवाई

कार्रवाई

सीएम धामी के निर्देश के बाद राज्य में नकली दवाओं के खिलाफ अभियान तेज

संवाददाता

देहरादून। खाद्य संरक्षा और औषधि नियंत्रण प्रशासन इन दिनों प्रदेश भर में अवैध ड्रग और नकली दवाओं के खिलाफ छापेमार अभियान चला रहा है। विभाग ने इसके तहत पिछले एक साल में 862 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर सैंपल भी एकत्रित किये। 52 सैंपलों की जांच चल रही है। दो कंपनियों के लाइसेंस को निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है और पांच कंपनियों के खिलाफ आपराधिक केस दर्ज करने की सिफारिश की गयी है।

स्वास्थ्य सचिव/आयुक्त खाद्य संरक्षा और औषधि नियंत्रण प्रशासन डा. आर. राजेश कुमार ने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत के निर्देश पर राज्य में अवैध ड्रग और नकली दवाओं के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। स्वास्थ्य सचिव/आयुक्त खाद्य संरक्षा और औषधि नियंत्रण प्रशासन डा. आर. राजेश कुमार ने कहा कि नकली या सबस्टैंडर्ड दवाएं बनाने वालों को बख्शा नहीं जाएंगा और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डॉ. आर. राजेश कुमार ने का कहना है कि विभाग नशे की रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और इस तरह के गैर कानूनी ड्रग बनाने वाली या उत्पाद बेचने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा।

औषधि नियंत्रक ताजबर जग्गी के अनुसार सूचना मिली थी कि लांघा रोड पर हर्बल ग्रीन फैक्ट्री में नशे में प्रयोग के लिए दवाओं का निर्माण किया जा रहा है। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए औषधि विभाग, दून पुलिस और एएनटीएफ की टीम ने छापा मारा। पता चला कि हर्बल ग्रीन फैक्ट्री के पास फूड लाइसेंस है, जो वर्ष 2023 में प्राप्त किया गया था। जिन नारकोटिक्स दवाओं का वहां निर्माण किया जा रहा था, उसका लाइसेंस ही नहीं था। लिहाजा, फैक्ट्री और उसमें किया जा रहा निर्माण फर्जी माना जाएगा। दवाओं को जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) भेजा जा रहा है। जहां उनमें प्रयुक्त सॉल्ट और अन्य तत्वों का परीक्षण किया जाएगा।

फर्जीवाड़े पर कार्रवाई करते हुए संजय कुमार (उम्र 39 वर्ष) निवासी ग्राम मुसकीपुर जिला सहारनपुर (हाल निवासी टीचर कालोनी सहसपुर), शिव कुमार (उम्र 36 वर्ष) हाल निवासी प्रगति विहार सेलाकुई और रहमान (उम्र 38 वर्ष) निवासी ग्राम भूसी जिला चंदौली (हाल निवासी परवल उमेदपुर) को गिरफ्तार किया गया। कन्हैया और ऋषभ की तलाश की जा रही है।

गैर-कानूनी ढंग से हो रहा था दवाओं का निर्माण

देहरादून के सहसपुर स्थित लांघा रोड पर स्थित एक फैक्ट्री में नकली दवाएं बनाने की सूचना मिलने पर औषधि विभाग, पुलिस और नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने संयुक्त कार्रवाई की और ग्रीन हर्बल कंपनी के तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिये। दो अभी फरार हैं। इस कंपनी को फूड लाइसेंस मिला था लेकिन गैर-कानूनी ढंग से दवाओं का निर्माण कर रहे थे। इन दवाओं का इस्तेमाल नारकोटिक्स एक्ट के तहत किया जाता है। इस दौरान संयुक्त टीम ने फैक्ट्री से 1921 कैप्सूल/टैबलेट, सिरप आदि की 592 बोतलें और 342 खाली रैपर बरामद किए।

साइको ट्रैपिक दवाओं के नाम पर चल रहा खेल उजागर

ड्रग कंट्रोलर ताजबर जग्गी ने बताया कि उक्त फैक्ट्री में जिन दवाओं का निर्माण फूड लाइसेंस पर चल रहा था, वह साइको ट्रैपिक (मन प्रभावी) हैं और इनका अधिक सेवन व्यक्ति को नशे की हालत में ले आता है। नशे के विकल्प के रूप ऐसी दवाओं का चलन बढ़ रहा है। इस पूरे खेल को उजागर किया जाएगा और दोषियों को सख्त सजा दिलाई जाएगी।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने आज संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी घंटाघर स्थित मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि हमे चाहिए कि हम सभी देश वासी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के बनाए संविधान का आदर करें और उस पर अमल करें। उनके बताए रास्ते पर संविधान के मुताबिक अपने जीवन को चलाए तभी देश का सही उद्धार होगा और बाबा साहब के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भीमराव अंबेडकर जी को पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में आरिफ वारसी ,प्रभात डंडरियाल,प्रदीप कुकरेती, पारस यादव ,जय बिष्ट, अतुल शर्मा, इम्तियाज अहमद आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का जनपद भ्रमण प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिला कार्यालय के एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमण कार्यक्रम को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री का आज व 08 दिसंबर को दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान मुख्यमंत्री जनपद के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के प्रवास पर रहेंगे। भ्रमण के दौरान उनके द्वारा विभागीय योजनाओं की समीक्षा करने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना जाएगा।

74 साल के किराना दुकानदार ने 14 साल की लड़की से किया दुष्कर्म

संवाददाता हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार में 74 साल के एक किराना दुकानदार द्वारा 14 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म करने का शर्मनाक मामला सामने आया है। रानीपुर थाना पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आरोपी के खिलाफ अहम साक्ष्य मिले हैं। पुलिस ने बताया कि एक बुजुर्ग महिला ने बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि मंगलवार को उसकी 14 वर्षीय पोती घर के पास एक दुकान पर सामान लेने के लिए गई थी। काफी समय गुजरने के बाद भी जब पोती वापस लौटकर नहीं आई तो उसकी तलाश शुरू कर दी गई। आरोप है कि किराना कारोबारी उपेंद्र चौधरी उस वक्त अपने घर के अंदर से निकल रहा था।

मुख्यमंत्री धामी दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर रहेंगे

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज से दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ओंकारेश्वर मंदिर में आयोजित पांडव नृत्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के साथ ही ग्राम सारी में स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम तथा स्यालसौड़ में आयोजित कृषि, औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले में भी प्रतिभाग करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री आज दोपहर 2:45 बजे देहरादून से हैलीकॉप्टर के माध्यम से प्रस्थान कर 3:15 बजे होटल रिजेंटा हैलीपैड ऊखीमठ पहुंचेंगे। कुछ समय वहाँ रुकने के बाद 3:50 बजे से 4:50 बजे तक श्री ओंकारेश्वर मंदिर में आयोजित पांडव नृत्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके बाद सारी गांव में स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रात्रि विश्राम होम स्टे सारी में करेंगे।

रविवार को प्रातः 8:15 बजे सारी से प्रस्थान कर बाबा केदार के शीतकालीन प्रवास-स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में दर्शन व पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री दोपहर 12:15 बजे स्यालसौड़ में आयोजित कृषि, औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले में प्रतिभाग करेंगे । कार्यक्रम समापन के बाद मुख्यमंत्री दोपहर 1:50 बजे महाविद्यालय अगस्त्यमुनि हैलीपैड से जीटीसी हैलीपैड देहरादून हेतु प्रस्थान करेंगे।

पुलिस ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

संवाददाता उत्तरकाशी। आमजन को नशा, साइबर, महिला अपराध व अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक धरासू दिनेश कुमार के नेतृत्व में चौकी गेंवला पुलिस द्वारा बगियाल खेत गांव में पुलिस की चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। पुलिस टीम द्वारा स्थानीय लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि नशा एक धीमा जहर है, जो धीरेदृधीरे हमारे शरीर को खत्म कर देता है, हमें खुद को और अपने बच्चों को नशे से दूर रखना है। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा के प्रति जानकारी देते हुए अनजान लोगों को फोन कॉल पर किसी के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करना, किसी को अपना ओटीपी न देने के साथ ही डिजिटल अरेस्ट के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया और किसी भी वित्तीय साइबर की घटना होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करने की हिदायत दी गई।

14 दिसंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

संवाददाता

चमोली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के तत्वाधान में चमोली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी 14 दिसंबर 2024 को जिले के सभी न्यायालय परिसर के साथ ही जिला जज कोर्ट गोपेश्वर में भी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जिसमें फौजदारी के शमनीय मामले, 138 एनआई एक्ट के मामले, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक परिवार न्यायालय के मामले, श्रम, भूमि अर्जन, सिविल अपील, राजस्व, मनरेगा, विद्युत, जलकर बिल, बिक्री कर, आयकर, अप्रत्यक्ष कर, वेतन व भत्तों, वन, आपदा

प्रतिकर विविध अपील, आपराधिक अपील, मूल वाद नगरपालिका एवं नगर पंचायत दुकान, पुलिस अधिनियम एवं अन्य ऐसे मामलों का निस्तारण जो सुलह-समझौते के आधार पर हो सके, उनका निस्तारण किया जाएगा।

सिविल जज (सी0डि0) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपील की है कि जो भी व्यक्ति अपने मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित करवाना चाहते है वह किसी भी कार्य दिवस में संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र दे सकते है।

न्यायालय के बाहर किसी अन्य मामलों के संबंध में किसी भी कार्य दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली के कार्यालय से संपर्क कर सकते है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के प्री-लिटिगेशन एवं अदालत में चल रहे वादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान सीएलएडीसी समीर बहुगुणा सहित जनपद के विभिन्न संस्थानों के प्रेस प्रतिनिधि मौजूद थे।

नमाज पढ़ी, तो रोकने के लिए बजरंग दल ने किया हनुमान चालीसा पाठ

संवाददाता टिहरी। टिहरी नगर क्षेत्र में स्थित एक घर में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकत्रित होकर नमाज पढ़ी। जिसके बाद बजरंग दल और विहिप से जुड़े लोगों ने भी यहां हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया।

शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों के एक साथ नमाज पढ़ने पर रोक की मांग को लेकर यहां सोबन सिंह नेगी सामुदायिक भवन में बजरंग दल ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने कहा कि बगैर अनुमति के घर में इस तरह की गतिविधियों से आस-पास लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की।

ट्रंप का साया

दिलचस्प है कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल अभी शुरू नहीं हुआ है, न ही वह इस सम्मेलन में मौजूद रहे, इसके बावजूद सम्मेलन पर उनका साया महसूस होता रहा।

अनुज श्रीवास्तव।।

अजरबैजान की राजधानी बाकू में हो रही 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप–29) का जिस तीखी असहमति और कड़वे बयानों के साथ समापन हुआ, उसे किसी भी रूप में पॉजिटिव नहीं कहा जा सकता। क्लाइमेट चेंज जैसे अहम मसले पर विकासशील और विकसित देशों के बीच अविश्वास और संदेह का माहौल बनना भविष्य में सभी देशों की साझा पहल की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।

विकासशील देशों में इस तरह से छले जाने का भाव पैदा होने के पीछे सबसे बड़ी वजह रही विकसित देशों की कंजूसी। कहां तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने वाले कदमों का खर्च उठाने में विकासशील देशों की मदद करने के लिए सालाना 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान जुटाने की बात थी और कहां विकसित देश सालाना 300 बिलियन डॉलर पर आकर ठहर गए।

जिस तरह से इस मामूली और नाकाफी टारगेट को तय किया गया – न तो इस पर ढंग से चर्चा होने दी गई और न ही संबंधित राष्ट्रों को विरोध दर्ज करने का मौका दिया गया – उससे भी विकासशील देशों में नाराजगी पैदा हुई। एक और बात यह रही कि यह रकम भी विकासशील देशों को पूरी तरह ग्रांट के रूप में नहीं मुहैया कराई जाएगी। इसे विभिन्न सरकारों के साथ ही प्राइवेट स्रोतों से भी जुटाने की बात है जिसमें मल्टिलैटरल डिवेलपमेंट बैंक भी शामिल हैं। जाहिर है, कर्ज और उससे जुड़ी शर्तें भी विकासशील देशों के हिस्से आने वाली हैं। सम्मेलन के आखिर में बने इस माहौल से अलग हटकर देखा जाए तो दिलचस्प है कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का कार्यकाल अभी शुरू नहीं हुआ है, न ही वह इस सम्मेलन में मौजूद रहे, इसके बावजूद सम्मेलन पर उनका साया महसूस होता रहा। यह बात सबके ध्यान में थी कि आगामी 20 जनवरी से शुरू हो रहे उनके कार्यकाल के दौरान क्लाइमेट चेंज के मसले पर अमेरिका से किसी तरह के पॉजिटिव रुख की उम्मीद नहीं की जा सकती। ऐसे में कई विकसित देशों के प्रतिनिधियों की दिलचस्पी यह सुनिश्चित करने में थी कि फंड कम हो या ज्यादा, पर क्लाइमेट चेंज को लेकर जिस तरह की वैश्विक सहमति हासिल की जा चुकी है, उसे आने वाले वर्षों में कोई नुकसान न पहंचाया जा सके। भारत ने अपनी अब तक की भूमिका के अनुरूप ही विकसित देशों के नकारात्मक रुख का तीव्र विरोध करने में विकासशील देशों की अगुआई की और ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं का ख्याल न रखने वाले इस फैसले को गलत बताया। बहरहाल, असंतोष और नाराजगी के बावजूद यह ध्यान रखना जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने के वैश्विक संकल्प को कमजोर न पड़ने दिया जाए।

फैसला

अशोक वोहरा। तभी वह ब्राह्मण कहता है कि रहने दीजिए मुझे किसी प्रकार का कोई भी धन दौलत नहीं चाहिए ना ही महीने ईमानदारी को आपके पास भेजूंगा। उसके बाद वह सेठ कहता है कि ठीक है आपकी मना रही आपकी मर्जी आप भेजें या ना भेजें इसका फैसला आप कर सकते हैं। फिर वह जिस रास्ते से गया था उसे रास्ते से वापस आने लगता है रास्ते में वही तालाब दिखता है जहां पर उन्होंने रोटियां खाने के लिए रोटियां निकाला किया था। ब्राह्मण जब उस तालाब पर पहुंचता है। उन्होंने वहां से पत्थर के टुकड़े तथा बहुत सारी लकड़िया योगदान आप के किनारे पड़ा हुआ था उसे अपनी रुमाल में बांध लेता है और घर लेकर चला जाता है। घर देते हैं उन्होंने अपनी पत्नी से कहता है कि यह लो हीरे मोती को इसको सही से रखो। **...शेष कल**

धर्म-दर्शन

संपादकीय

मजबूरी बन जाएगी

लगता है कि यह पूरी कहानी जॉर्ज ऑरवेल की कालजयी कृति '1984' का 21वीं सदी का वर्जन है। ब्रेन चिप्स आज तक की सारी साइंस फिक्शन फिल्मों को पीछे छोड़ देंगी। जिस तरह से इंटरनेट या मोबाइल से दूर होने पर हम खुद को असहाय महसूस करते हैं, वैसा ही कुछ ब्रेन चिप्स को लेकर होगा। सारे महत्वाकांक्षी लोग चाहेंगे कि उनके दिमाग में चिप लगाई जाए। यहां तक कि जो देश नैतिक या सामाजिक आधार पर पहले मंजूरी नहीं देंगे, उन्हें भी बाद में पीछे हटना पड़ेगा। आपकी सोच से भी पहले ब्रेन चिप्स को लेकर होड़ शुरू हो जाएगी। इसका मतलब कि हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनियों के पास करोड़ों इंसानों के दिमाग पर नियंत्रण पाने का तरीका होगा। इतिहास को देखें तो किसी भी वैज्ञानिक प्रगति के दुरुपयोग को लेकर आशंकाएं जताई जाती रही हैं, जो बाद में बेबुनियाद साबित हुईं।

इलॉन मस्क ने ब्रेन चिप्स को उन मरीजों के लिए एक मेडिकल डिवाइस के रूप में पेश किया है, जिन्हें परंपरागत इलाज से फायदा नहीं हो रहा। उनकी कंपनी न्यूरालिंक ने इस साल की शुरुआत में पहला ह्यूमन इंप्लांट किया था।

भविष्य की जरूरत

स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर।।

जब मैंने पहली बार सुना कि इलॉन मस्क इंसानी दिमाग के भीतर कंप्यूटर चिप्स फिट करना चाहते हैं, तो मुझे लगा कि वह कितने सनकी हैं। अगर मेडिकल रिस्क को दूर कर दिया जाए और चिप से कोई फायदा हो, तो भी क्या इंसान सोचने की अपनी क्षमता और स्वतंत्र इच्छा को छोड़ने के लिए तैयार हो जाएंगे? क्या अपनी भावनाओं और करियर के लिए वे एक चिप पर भरोसा करेंगे? इन सवालों का जवाब है नहीं। हालांकि डेनियल का एक आर्टिकल पढ़ने के बाद मेरे विचार बदल गए। डेनियल कंप्यूटेशनल न्यूरोसाइंस एक्सपर्ट और हेज फंड RG Niederhof के प्रमुख हैं। उनका सवाल है कि अगर दिमाग में लगने वाली चिप आपको दूसरों से आगे कर देती है, तो क्या आप उसका फायदा नहीं उठाना चाहेंगे? अगर आपका जवाब नहीं है, तो फिर आप पर अपने प्रतिद्वंद्वियों से पिछड़ने का खतरा है। फिर इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने बुद्धिमान हैं या कितनी कड़ी मेहनत करते हैं, आप पुराने पड़ते जाएंगे।

कुछ दशक पहले तक इंटरनेट और स्मार्टफोन साइंस फिक्शन की चीज लगते थे। अब दोनों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जिनके पास इंटरनेट और स्मार्टफोन नहीं, वे

उन लोगों से पिछड़ जाएंगे जिनके पास ये दोनों हैं। तो क्या ब्रेन चिप्स के साथ भी यही होने जा रहा? क्या स्मार्टफोन की तरह ब्रेन चिप्स भी जरूरी और सामान्य बन जाएंगी? इलॉन मस्क ने ब्रेन चिप्स को उन मरीजों के लिए एक मेडिकल डिवाइस के रूप में पेश किया है, जिन्हें परंपरागत इलाज से फायदा नहीं हो रहा। उनकी कंपनी न्यूरालिंक ने इस साल की शुरुआत में पहला ह्यूमन इंप्लांट किया था। कंपनी का दावा है कि मरीज का रेस्पॉन्स अच्छा रहा।

ब्रेन चिप्स ने दिखा दिया है कि उनकी मदद से इंसान अपने विचारों के जरिये टेक्नॉलजी को कंट्रोल कर सकता है। टेस्टिंग के दौरान लकवे के मरीजों ने रोबॉटिक हाथों को हिलाया या फिर कर्सर को घुमाया। एक मरीज ने तो केवल सोचकर ही विडियो गेम खेल लिया। इन चिप्स का उपयोग अवसाद, डिमेंशिया, बीप्रवचीतमदपं और दूसरी मानसिक बीमाारियों के इलाज के लिए किया जा सकता है। अमीर देशों में ये बीमारियां बड़ी समस्या हैं। लेकिन, अगर क्लिनिकल ट्रायल सफल हो जाते हैं, तो भी कोई देश कई बरसों तक ब्रेन चिप्स को मंजूरी नहीं देगा। इसकी वजह है इसके गंभीर नतीजे। हालांकि मंजूरी तो मिलेगी ही। इन चिप्स में मेडिकल फील्ड के लिए बहुत संभावनाएं हैं।

अब सवाल है कि क्या ब्रेन चिप्स वहीं रुक जाएंगी? एक बार शुरुआत होने के बाद इन पर लगाम नहीं लगाई जा सकती। सभी को याद है कि एमनियोसेंटेसिस और सोनोग्राफी का आविष्कार इसलिए किया गया था ताकि भ्रूण में किसी तरह के दोष का पता लगाया जा सके, लेकिन एक बार लाइसेंस मिलने के बाद इनका इस्तेमाल कन्या भ्रूण का पता लगाने और गर्भपात में होने लगा। किसी भी तकनीक के उपयोग को सीमित करना बहुत मुश्किल है। अगर नियमों को तोड़ने से मोटा मुनाफा होता है, तब तो नियंत्रण हो ही नहीं सकता। ब्रेन चिप्स के साथ यही खतरा है। इसे केवल मेडिकल डिवाइस के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह दिमाग को नियंत्रित करने वाली डिवाइस है और इस बात से डर लगता है।

अष्टयोग- 4936

			6		7	
4	33	4	40	7	31	2
	2		3	5		
1	29	3	37	6	35	5
		7	4		5	
6	30	2	24	1	30	3
	6		4			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4935 का हल

3	5	7	4	2	1	6
1	30	2	37	6	31	3
5	1	6	3	7	2	4
6	37	3	34	1	25	5
4	7	5	6	3	2	1
7	33	4	32	4	30	2
2	3	1	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

अपार क्षमता

मोहन। प्राइवेट कंपनियां इस सेक्टर में अरबों डॉलर लगाने के लिए तैयार बैठी हैं। 'यह अब दशकों नहीं, कुछ बरसों की ही बात है। इन चिप्स की मार्केटिंग सिर्फ लकवाग्रस्त या मानसिक बीमार लोगों के लिए ही नहीं, सभी के लिए की जाएगी, जैसे कि स्मार्टफोन।' डेनियल के मुताबिक, 'मौजूदा डिवाइस जो काम करती हैं, उसके मुकाबले ब्रेन चिप्स की क्षमता कहीं ज्यादा होगी। हम जो भी देख रहे हैं उसकी फोटो ले सकेंगे। इसके लिए सोचने भर की देर होगी। सोचकर ही दोस्तों को मेसेज भेज देंगे और उनके जवाब अपने दिमाग में सुन सकेंगे। किसी भी भाषा में बोलने में सक्षम होंगे और कुछ भी, कितना भी याद रख सकेंगे। तब पेमेंट के लिए अपने पास पर्स या फोन रखने की जरूरत नहीं होगी।' डेनियल ने ब्रेन चिप्स का जो खाका खींचा है, उसके अनुसार, 'हमारी मेमरी को ।ए के जरिये व्यवस्थित रखा जाएगा और इससे जुड़ी पॉलिसी एक्सपर्ट बनाएंगे। अगर किसी के दिमाग में कोई आपराधिक या समाज विरोधी विचार आता है, तो संबंधित अथॉरिटीज को उसका पता पहले ही चल जाएगा। हालांकि इसका सबसे खतरनाक पहलू यह है कि सरकारें चिप्स के माध्यम से अपने नागरिकों के दिमाग को नियंत्रित करना चाहेंगी।'

हिना खान हाथों में यूरिन बैग ले जाती हॉस्पिटल के कॉरिडोर में दिखीं

हिना खान अपने स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अपने दुख, अपनी उदासी और बिखरती जिंदगी के हर पलों को दोनों हाथों से पल–पल समेटने की कोशिश भी लगातार रोज कर रही हैं। हिना खान ने हॉस्पिटल से एक इमोशनल झलक सोशल मीडिया पर फैन्स को दिखाी है। जहां ये देखकर लोग भावुक हो रहे हैं, वहीं हिना के कैप्शन ऐसे सभी लोगों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं, जो अंधेरे में भी जिंदगी की तरफ एक रोशनी की तरह नजर आ रहे हैं। हिना ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर दिखाई है, जो उस हॉस्पिटल कॉरिडोर की है, जहां उनका संभवतः इलाज चल रहा है। बैक से ली गई तस्वीर में हिना खान का चेहरा नहीं दिख रहा, लेकिन उनके अंदर चल रहे बहुत सारे इमोशंस साफ नजर आ रहे हैं। हिना के हाथों में उनका यूरिन बैग नजर आ रहा है और दूसरे हाथ में ब्लड बैग है। ये तस्वीर हिना के उस हालात का नजारा है, जिसे अपनी लाइफ में शायद कोई नहीं देखना चाहता। आज हिना इन चीजों से लड़ भी रही हैं और खुद को प्रेरित भी कर रहीं। हिना ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, श्एक रोशनी की तरफ आगे बढ़ रही हूं... हीलिंग के इन कॉरिडोर से गुजरते हुए...एक समय में एक कदम।श इसी पोस्ट में उन्होंने एक शब्द दुआ भी लिखा है और यकीनन उन्हें चाहने वाले उनके लिए खूब दुआएं कर रहे हैं।

शाहरुख खान और लियोनार्डो डिकैप्रियो की फिल्म ठंडे बस्ते में क्यों चली गई?

फेमस डायरेक्टर पॉल श्रेडर ने अपने बंद हो चुके प्रोजेक्ट एक्सट्रीम सिटी के बारे में खुलासा किया है। ये प्रोजेक्ट बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो से जुड़ा था। इसकी कल्पना साल 2011 में बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में की गई थी, जिससे मार्टिन स्कोर्सेसे एक निर्माता के रूप में जुड़े थे। ये प्रोजेक्ट किस वजह से बंद हुआ, इसका खुलासा अब हुआ है। पॉल श्रेडर ने एक पॉडकास्ट में इस अधूरे प्रोजेक्ट के बारे में बातकी। उन्होंने बताया कि शाहरुख खान, लियोनार्डो डिकैप्रियो और मार्टिन स्कोर्सेसे तीनों ने बर्लिन में फिल्म पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की थी। मार्टिन को इसका निर्माण करना था, जबकि शाहरुख की स्क्रिप्ट में अहम भूमिका थी। हालांकि, पॉल ने दावा किया कि समय के साथ शाहरुख का इस प्रोजेक्ट के लिए उत्साह कम होता गया और प्लानिंग धरी की धरी रह गई। डायरेक्टर पॉल श्रेडर ने कहा, शाहरुख बॉस हैं। वो डायरेक्टर्स को हायर करते हैं। कई बार वो मल्टीपल डायरेक्टर्स को हायर करते हैं।

साउथ फिल्मों के फेमस विलन मंसूर अली खान का बेटा अरेस्ट

कॉलीवुड की फिल्मों में अक्सर विलन की भूमिका निभाने वाले एक्टर मंसूर अली खान के बेटे अली खान तुगलक को ड्रग्स रखने और बेचने के आरोप में नौ अन्य लोगों के साथ पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। अली खान तुगलक की गिरफ्तारी ड्रग तस्करी मामले में तिरुमंगलम पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद की गई। पुलिस ने तुगलक के ड्रग व्यापार में शामिल व्यक्तियों से जुड़े होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद जांच शुरू की थी। इन लोगों में से कई को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने इससे पहले ड्रग तस्करी नेटवर्क के सिलसिले में कॉलेज के छात्रों समेत 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। तुगलक को सैयद साकी, मोहम्मद रियास अली और फैसल अहमद के साथ गिरफ्तार किया गया और आगे की पूछताछ के लिए चारों को पुलिस हिरासत में रखा गया। तमिलनाडु में अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के कई मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें बैन नशीले पदार्थों की श्रीलंका, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तस्करी की जाती है। इन देशों में इसकी बहुत मांग है। स्थानीय पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग तस्करी के लिए ट्रांजिट के रूप में तमिलनाडु के इस्तेमाल को लेकर अलर्ट के बाद सक्रियता बढ़ा दी है। चेन्नई पुलिस ने हाल ही में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया।

पुष्पा 2 रिलीज होते ही एचडी में लीक हुई अल्लू अर्जुन की फिल्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस साल की सबसे बड़ी फिल्म पुष्पा 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। हालांकि, रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर फिल्म ऑनलाइन लीक भी हो गई, जिससे यह कई पायरेसी वेबसाइटों पर मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो गई है। इस लीक में फिल्म के एचडी वर्जन भी शामिल हैं, जो 240च से लेकर हाई क्वॉलिटी 1080च तक के रिजॉल्यूशन तक में उपलब्ध हैं।

सफलता में बड़ी बाधा

इस लीक ने फिल्ममेकर्स और फिल्म के फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि इससे बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। पाइरेसी फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक लंबे समय से चली आ रही समस्या रही है और ऑनलाइन पायरेटेड वर्जन की उपलब्धता के साथ, कई दर्शक टिकट खरीदने के बजाय अवैध रूप से फिल्म देखना चुन सकते हैं। इससे फिल्म की कमाई कम हो सकती है, जो इसकी सफलता में बड़ी बाधा बनती दिख रही है।

लीक हुई पुष्पा 2

हाल ही में टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पुष्पा 2 को पहले से ही कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। फिल्म के टिकट की कीमतें किसी भी साउथ फिल्म के लिए अब तक की सबसे ऊंची दर पर निर्धारित की गई हैं, जिससे विवाद खड़े हो गए हैं। जबकि फिल्म के स्टार अल्लू अर्जुन सहित कुछ लोगों ने कीमतों में बढ़ोतरी का समर्थन किया है, लेकिन स्थानीय फिल्म के दर्शकों ने बढ़ी हुई लागत पर बुरी तरह रिएक्ट किया है और

भड़के भी हैं।

क्या बॉक्स ऑफिस पर पड़ेगा असर?

हालांकि, ऑनलाइन लीक से फिल्म की कमाई पर असर पड़ने का खतरा है, खासकर इसकी कीमत में भारी बढ़ोतरी के बाद। फ्रेंचाइजी के फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ चिंता में हैं कि फिल्म की पायरेटेड कॉपीज दर्शकों के लिए इंट्रेस्ट खत्म कर सकती हैं। वे भारी दाम में टिकट खरीदकर फिल्म देखने नहीं जाएंगे।

फिल्ममेकर्स चिंता में

विश्व स्तर पर फिल्मों को प्रभावित करने वाली पायरेसी के साथ पुष्पा 2 के मेकर्स और कई फिल्म निर्माता अपने नुकसान को देखते हुए अवैध डाउनलोडिंग के खिलाफ मजबूत कार्रवाई पर जोर दे रहे हैं।

मैं एक अजीब आदमी बन गया होता, अजीब सी जिंदगी जी रहा होता

ऐश्वर्या राय और विवेक ओबेरॉय के रिश्ते के बारे में हर कोई जानता है। दोनों का रिश्ता गंदे मोड़ पर आकर टूट गया। लेकिन अक्सर लोग इसपर बात करते रहते हैं। हाल ही में विवेक ओबेरॉय ने ऐश्वर्या से ब्रेकअप और उनके पति अभिषेक बच्चन के बारे में बात की है। आइए बताते हैं।

विवेक ओबेरॉय डॉ. जय मदान के यूट्यूब चैनल पर दिखाई दिए, जहां उन्होंने बताया कि अगर उन्हें अपने जीवन का उद्देश्य नहीं पता होता, तो वे प्लास्टिक की मुस्कुराहट वाले लोगों के बीच एक प्लास्टिक वाला जीवन जी रहे होते। उन्होंने अपने, सलमान और ऐश्वर्या के बीच मतभेदों को भी माना और कहा कि श्भगवान उनका भला करें।श विवेक ने उस पुराने वक्त पर बात किया जब वो उस रिश्ते से बाहर आए थे।

ऐश्वर्या राय संग ब्रेकअप पर बोले विवेक

विवेक ने कहा, श्शायद मैं एक अजीब आदमी बन गया होता, एक अजीब सी जिंदगी जी रहा होता। शायद प्लास्टिक की मुस्कुराहट वाले लोगों के बीच मैं खुद प्लास्टिक बन गया होता। अब अगर लोग मुझे ट्रोल करते हैं तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि मैं जीवन में अपने उद्देश्य को जानता हूं, मैं जानता हूं कि मेरे लिए सबसे जरूरी क्या है।

अभिषेक बच्चन को कहा अच्छा इंसान

जब एक्टर से उनकी एक्स ऐश्वर्या के पति अभिषेक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जूनियर बच्चन को एक स्वीटहार्ट और एक अच्छा इंसान बताया। विवेक फिलहाल बिजनेस की दुनिया में जाना–माना नाम बन चुके हैं और उन्होंने कहा कि वह अपने जीवन में एक बड़ा उद्देश्य पाकर खुश हैं। उन्हें अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से बाहर आने पर गर्व है जिसने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उन्होंने महसूस किया कि रिश्तों के मामले में मशहूर हस्तियों के अनुभव कई गुना बढ़ जाते हैं। विवेक ने खुलासा किया कि जब किसी स्टार का ब्रेकअप होता है तो पूरी दुनिया में खबर बन जाती है।

विवेक ने ब्रेकअप पर ऐसे समझाया

विवेक ने ब्रेकअप से गुजर रहे किसी भी शख्स के लिए एक खूबसूरत सलाह दी। उन्होंने खुलासा किया कि अगर कोई आपकी जिंदगी छोड़कर जा रहा है तो इस तरह सोचें। यदि कोई बच्चा अपना लॉलीपॉप कीचड़ में गिरा देता है, तो उसकी मां उसे गंदा होने के कारण उसे खाने नहीं देगी, है न? जिन्दगी हर किसी को एक नया साथी देगी। दर्द जितना अधिक समय तक रहता है दर्द उतना ही बढ़ता है।

गर्म पानी के साथ चिया सीड लेने से क्या सच में होता है वजन कम

मोटापा कम करने के लिए चिया सीड का सेवन करना ट्रेंड बन चुका है। यूट्यूब के एक वीडियो में भी यह दावा किया गया है। इसमें गर्म पानी के साथ इन सीड के नियमित सेवन को बेस्ट फैट कटर माना गया है। सच जानने के लिए सजग फैक्ट चेक टीम ने डॉक्टर से बात करके सटीक जानकारी ली है।

क्या कहता है वीडियो?
इस वीडियो में थोड़ी मात्रा में चिया सीड को 10 से 15 मिनट पानी में भिगोते दिखाया गया है। इसके बाद इस मिश्रण को 1 गिलास गुनगुने पानी में डालने की सलाह दी जाती है। अब इस गिलास में एक चम्मच शहद और कुछ बूंदें नींबू की भी मिलाई जाती हैं। फिर इस पानी को सुबह खाली पेट पीकर वजन कम करने का दावा किया जा रहा है। वीडियो में इस खास ड्रिंक को बेस्ट फैट कटर का नाम दिया गया है।

फंक्शनल फूड का अप्रत्यक्ष योगदान
डॉक्टर की सलाह में चिया सीड बेस्ट फंक्शनल फूड है। यह अप्रत्यक्ष रूप से वजन घटाते हैं। इस सीड में ओमेगा–3 फैटी एसिड अच्छी मात्रा में होता है। इसके सिर्फ 1 टेबलस्पून में 2.53 ग्राम ओमेगा–3 फैटी एसिड मिल जाता है। शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी एजेंट होने के चलते इनके सेवन से शरीर की सूजन भी कम हो सकती है। मोटापा भी एक प्रकार की लो–ग्रेड इंफ्लेमेशन ही है इसलिए चिया सीड्स इस पर असर कर सकते हैं।

पुरानी सूजन कम होती है
चिया सीड में मिलने वाला 1.32 ग्राम अल्फा–लिपोइक एसिड एसिड न्यूक्लियर कप्पा बी को रोकता है। यह सूजन के मुख्य मार्गों में से एक है। यह सी–रिएक्टिव प्रोटीन को कम कर, कोशिकाओं में पुरानी सूजन को कम करता है और ऑक्सीडेटिव से तनाव घटाने में भी मदद मिलती है।

फायदेमंद है लेकिन
डॉक्टर की मानें तो चिया सीड का सेवन फायदेमंद तो है लेकिन इसको वजन कम करने का एक मात्र विकल्प मान लेना भी सही नहीं है। इसके लिए अपनी पूरी लाइफ स्टाइल को सुधारना होगा।

डॉक्टर की राय में क्या है सच?
इस वीडियो को लेकर फैक्ट चेक टीम ने न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. अनुमिता पाठक से बात की है। उन्होंने माना है कि वजन घटाने के लिए कोई एक फूड जिम्मेदार नहीं होता है। वजन का कम होना कई तथ्यों पर निर्भर करता है जैसे कुल कैलोरी का सेवन, आपकी शारीरिक गतिविधि, खाने का समय, भोजन का क्रम और भोजन का संयोजन भी। चिया सीड से वजन कम होता है लेकिन सिर्फ इन सीड को अकेले वजन कम करने का उपाय मान लेना गलत है।

बुढ़ापा हो या जवानी, खाएं ये चीजों से बनी मेडिटेरेनियन डाइट

20 हो या 50 की उम्र हो, आपको 5 काम रोज करने चाहिए। जिसमें मेडिटेरेनियन डाइट लेना भी शामिल है। रिपोर्ट कहती है कि जीवनशैली में सही बदलाव किए जाएं तो मौत का खतरा 80 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। आइए इन बदलावों और मेडिटेरेनियन डाइट के बारे में जानते हैं। एक अच्छी डाइट से सिर्फ वेट लॉस नहीं होता, बल्कि यह बुढ़ापे में होने वाली डिमेंशिया और कई सारी बीमारी से बचाने में मदद करती है। रिपोर्ट में ।तहलम भ्पससपे इसके लिए मेडिटेरेनियन डाइट के फूड लेने की सलाह दी। यह डाइट पूरी दुनिया के लोगों के लिए बेस्ट साबित हो सकती है। इस डाइट में फलों, सब्जियों, साबुत गेहूं और जौ जैसे साबुत अनाज, जैतून का तेल और मछली की मात्रा ज्यादा होती है। इन 5 फूड के अलावा 3 फूड पर और फोकस होता है। जिसमें मीट, शुगर और प्रोसेस्ड फूड का कम सेवन शामिल है। इससे बॉडी की सारी सेल्स बेहतर काम करती हैं। शरीर चलाने से मतलब फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाना है। एक दिन में आपको शारीरिक कार्यों की मात्रा अच्छी रखनी चाहिए। इसके लिए एक्सरसाइज, जिम, सीढ़ी चढ़ना, स्विमिंग, पैदल चलना आदि कर सकते हैं। यह काम करने से किसी भी उम्र में टाइप 2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल के रोग और कुछ कैंसर का खतरा कम रहता है। स्मोकिंग या तंबाकू का किसी भी रूप में सेवन शरीर के लिए बहुत नुकसानदायक है।

बैठे–बैठे काम करने से कहीं अकड़ न जाए शरीर का सारा मांस

हड्डियों और अंदरुनी अंगों के ऊपर मांस की परत चढ़ी होती है, जिसे मसल्स कहा जाता है। यह काफी लचीली और मोटी होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घंटों बैठे–बैठे काम करने से मसल्स अकड़ सकती हैं। इसकी वजह से आपको मसल्स क्रैम्प, बदन दर्द, जकड़न, हाथ–पैर की मूवमेंट कम हो सकती हैं। बैठे–बैठे काम करने से लोअर बॉडी कमजोर हो जाती है, क्योंकि उसका इस्तेमाल बहुत कम होता है। यह स्थिति धीरे–धीरे महिलाओं में पीरियड क्रैम्प को गंभीर बना सकती है। इन सभी समस्याओं से बचने के लिए 4 मसल्स रिलैक्सेशन हैक्स के बारे में बताया है। हर दिन 30 से 60 सेकंड दीवार के सहारे बैठने से लोअर बॉडी को काफी फायदा मिलता है। यह एक्सरसाइज आपके क्वाड मसल्स और ग्लूट मसल्स को मजबूत करती है।

मछली से 10 गुना ताकतवर कद्दू के बीज, और आप कूड़े में फेंक रहे?

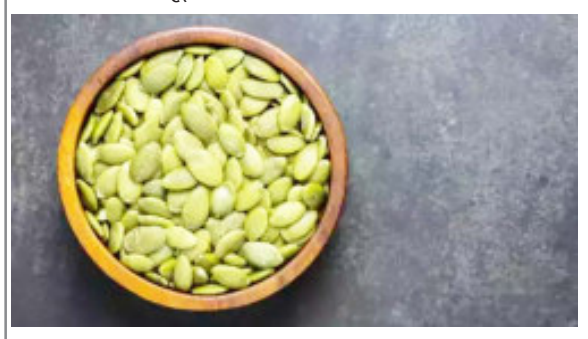

कदू के बीजों को फेंकने की गलती मत करना। चलिए जानते हैं कि कद्दू में ऐसी क्या खास बात है जो इसी इतनी ताकतवर बनाती है और अप इसे अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं। कद्दू के बीज आयरन और मैंगनीज का सबसे बढ़िया प्लांट बेस्ड सोर्स है। आयरन शरीर में खून की कमी दूर करने में सहायक है जबकि शरीर में ताकत और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए मैंगनीज की जरूरत होती है। कद्दू के बीज मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और हृदय की लय को बनाए रखने में मदद करता है। ओमेगा–3 और ओमेगा–6 फैटी एसिड सूजन को कम करते हैं और खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाते हैं, साथ ही अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाते हैं। कद्दू के बीज में मौजूद जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे शरीर संक्रमणों से लड़ने में सक्षम होता है। विटामिन ई सूजन को कम करके इम्यूनिटी को और बढ़ाता है। इसमें मौजूद कैरोटेनॉयड्स और विटामिन ई जैसे एंटीऑक्सिडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं। मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और जिंक हड्डियों की घनत्व बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए जरूरी तत्व हैं। यह तीनों तत्व कद्दू के बीजों में अच्छी मात्रा में पाई जाती है। इसके नियमित सेवन से हड्डियों को मजबूती मिलती है। कद्दू के बीज इंसुलिन में सुधार कर सकते हैं और डायबिटीज की जटिलताओं को रोक सकते हैं। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम है।

1000 फूड में सबसे ताकतवर बादाम, एक दिन में कितने खा सकते हैं?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लोगों को लगता है कि शाकाहारी खाने में पोषण कम होता है। मगर अब आप यह जानकर चौंक जाएंगे कि शुद्ध शाकाहारी अपना बादाम 1000 फूड में सबसे ज्यादा ताकतवर निकला। कई सारे नॉन वेजिटेरियन फूड भी इससे कम ताकतवर निकले। इसके बारे में जानकारी बीबीसी गुड फूड के वैज्ञानिकों ने दी है। सबसे ज्यादा ताकतवर फूड कौन सा है?बीबीसी ने 100 सबसे ज्यादा पौष्टिक खाद्य पदार्थों की लिस्ट जारी की थी। इसमें हर फूड को एक न्यूट्रिशनल स्कोर दिया गया था। जिसमें बादाम सबसे टॉप पर पाए गए और इनका न्यूट्रिशनल स्कोर 97 था। इसके बाद चेरिमोया फल, ओशियन पर्च, फ्लैट फिश, चिया सीड्स और कद्दू के बीज का नंबर आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति एक दिन में कितने बादाम खा सकता है? आपके दिमाग में 4–5 या हद से हद 10 की संख्या आ रही होगी। लेकिन असली मात्रा के बारे में जानकर 99 प्रतिशत लोग चौंक सकते हैं।

बादाम ड्राई फ्रूट का फायदा
रिपोर्ट के मुताबिक 100 ग्राम बादाम खाने से 579 कैलोरी मिलती है। यह मोनो अनसैचुरेटेड फैटी एसिड होते हैं। जो कि कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को सुधारते हैं। इस ड्राई फ्रूट को खाने से डायबिटिज कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

बादाम में क्या पाया जाता है?

यूएसडीए बताता है कि 100 ग्राम कच्चे बादाम में 21.4 ग्राम प्रोटीन होता है। इस ड्राई फ्रूट में काफी सारा फाइबर भरा होता है। साथ में कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, बायोटीन, कॉपर, फ्लेवेनोइड, फेनोलिक एसिड भी होते हैं।

1 दिन में कितने बादाम खा सकते हैं?
ऑस्ट्रेलियन डाइटरी गाइडलाइन के मुताबिक एक दिन में 30 ग्राम तक नट्स खा सकते हैं, जिसमें करीब 30 बादाम आते हैं। दूसरी तरफ एनसीबीआई पर मौजूद शोध कहता है कि दिल की बीमारी से बचाव करने के लिए आपको प्रतिदिन 42.5 ग्राम बादाम खाने चाहिए। जो कि करीब 40 गिरी के जितना हो सकते हैं।

बादाम खाने का सही तरीका
आमतौर पर बादाम को भिगोकर खाना फायदेमंद माना जाता है। खाने से पहले इसका छिलका भी उतार सकते हैं। वहीं, कुछ लोग कच्चे बादाम खा लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो बादाम को पीसकर खाते हैं और साथ में दूसरे नट्स भी मिलाते हैं। बादाम खाने का बेस्ट तरीका आपके ऊपर निर्भर करता है।

बादाम खाने का बेस्ट टाइम
बादाम को अक्सर सुबह खाली पेट खाया जाता है। लेकिन आप इसे अपनी जरूरत के हिसाब से कभी भी खा सकते हैं। कुछ लोग इसे एक्सरसाइज के बाद खाते हैं तो कुछ बेवक्त लगने वाली भूख को शांत करने के लिए इसका सेवन करते हैं।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए बादाम?
अगर आपको ड्राई फ्रूट या नट से एलर्जी है तो बादाम से बहुत खतरनाक रिजल्ट देखना पड़ सकता है। इसके अलावा बहुत छोटे बच्चे या बहुत बुजुर्ग व्यक्ति को इन्हें देने से बचना चाहिए। क्योंकि कच्चा बादाम निकलने में परेशानी हो सकती है और गले में अटक सकता है।

रेड्डी ने भारतीय पारी को संभाला

भारतीय टीम ने 106 के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने अश्विन के साथ पारी को संभाला। दोनों ने 7वें विकेट के लिए 32 रन जोड़े। 39वें ओवर में रविचंद्रन और हर्षित राणा ने अपना विकेट गंवाया। इसके बाद रेड्डी ने जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर 25 रन की छोटी साझेदारी की। वह काफी समय तक एक झोर संभाले रहे और तेजी से रन बनाने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे।

नीतीश रेड्डी ने डटकर किया कंगारुओं का सामना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेले जा रहे पिंक बॉल टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम 180 रन पर ढेर हो गई। कोई भी भारतीय बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगाया पाया। हालांकि, अपने करियर का दूसरा ही टेस्ट खेल रहे नीतीश रेड्डी ने कंगारू गेंदबाजों का डटकर सामना किया। रेड्डी भारतीय लाइनअप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। नीतीश रेड्डी ने 77.78 की स्ट्राइक रेट से 54 गेंदों पर 42 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 3 चौके और 3 ही छक्के लगाए। मिचेल स्टार्क की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में वह ट्रेविस हेड के हाथों कैच आउट हुए। रेड्डी के अलावा सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने 64 गेंदों पर 37 रन, शुभमन गिल ने 51 गेंदों पर 31 रन, रविचंद्रन अश्विन ने 22 गेंदों पर 22 रन और ऋषभ पंत ने 35 गेंदों पर 21 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मुकाबले में टेस्ट डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए इस टेस्ट में उन्होंने 79 रन बनाए थे और 1 विकेट भी चटकाया था। रेड्डी ने पर्थ टेस्ट की पहली पारी में 59 गेंदों पर 41 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 1 छक्का लगाया था।

मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में झटके 6 विकेट

क्रिकेट

13 साल के करियर में पहली बार किया ये खास काम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के बल्लेबाज एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में कोई कमाल नहीं कर सके। किसी तरह टीम इंडिया 180 रनों का स्कोर खड़ा कर सकी। टीम इंडिया की हालत खराब की ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने। स्टार्क ने इस पारी में छह विकेट लिए और इसी के साथ उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं।

मिचेल स्टार्क ने 14.1 ओवरों में दो मेडन फेंकने के साथ 48 रन देकर छह विकेट लिए। ये स्टार्क का टेस्ट में अभी तक का बेस्ट परफॉर्म है। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल को पवेलियन की राह दिखाई। इसी के साथ स्टार्क ने 13 साल के करियर में पहली बार एक अनोखा काम किया है। हम आपको

इस पारी में बने स्टार्क के रिकॉर्ड्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टार्क ने इस मैच में छह विकेट लिए। 2011 से करियर शुरू करने वाले स्टार्क ने टेस्ट में पहली बार भारत के खिलाफ पांच या इससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस काम के लिए उन्हें 13 साल का इंतजार करना पड़ा। इससे पहले टीम इंडिया के खिलाफ उन्होंने एक पारी में कभी पांच विकेट नहीं लिए थे। ये स्टार्क का टेस्ट में 15वां फाइव विकेट हॉल है।

एडिलेड में खेला जा रहा ये मैच डे–नाइट टेस्ट मैच है। ये पहली बार नहीं जब इस टेस्ट मैच में स्टार्क गुलाबी गेंद से चमके हैं। वह डे–नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा बार फाइव विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाज हैं। गुलाबी गेंद से उनका ये चौथा फाइव विकेट हॉल है।

इस पारी के दौरान स्टार्क ने टेस्ट की पहली पारी में 100 से ज्यादा विकेट लेने का कारनामा भी किया। वह ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। उनसे पहले ये काम महान गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने किया है। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार फाइव विकेट हॉल लेने के मामले में तीसरे स्थान पर आ गए हैं। उनका ये इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 24वां फाइव विकेट हॉल है।

स्टार्क ने इसी के साथ एडिलेड ओवल में अपने 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उनसे पहले शेन वॉर्न हैं जिन्होंने 56 विकेट लिए हैं। 63 विकेटों के साथ स्टार्क 38वें स्थान पर हैं।

रोहित शर्मा की वापसी रही फीकी, गौतम गंभीर का प्लान हुआ फेल

- भारतीय टीम ने जीता टॉस, चुनी बल्लेबाजी
- रोहित शर्मा ने बनाए 3 रन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पर्थ टेस्ट से बाहर रहने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एडिलेड में वापसी की। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान ओपनिंग के बजाए 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। हालांकि, रोहित शर्मा की वापसी फीकी रही। साथ ही रोहित का 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने का प्लान भी फेल रहा। भारतीय कप्तान सस्ते में अपना विके गंवा बैठे।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली ही गेंद पर मिचेल स्टार्क का शिकार बने। 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए भारतीय कप्तान ने क्रीज पर पैर तो जमाए, लेकिन वह बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे। रोहित ने 23 गेंदों का सामना किया और 3 रन बनाए। स्कॉट बोलैंड ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट किया।

26वें ओवर की 5वीं गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने रोहित शर्मा को अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद रोहित ने नॉन स्टाइकर एंड पर मौजूद ऋषभ पंत से बात की। हालांकि, पंत ने उन्हें डीआरएस नहीं लेने की सलाह दी। इसके बाद रोहित पवेलियन की ओर लौट गए। रोहित शर्मा 2018 के बाद टेस्ट में मिडिल

ऑर्डर में बल्लेबाजी कर रहे थे। टेस्ट में 5–6 नंबर पर रोहित के आंकडे शानदार हैं।

रोहित शर्मा करियर के शुरुआती दौर में 5–6 नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। 5 नंबर पर उन्होंने 10 टेस्ट खेले हैं और 29.13 की औसत से 437 रन बनाए। साथ ही आज से पहले 6 नंबर पर हिटमैन ने 16 टेस्ट में 54.57 की औसत से 1037 रन जड़े थे। इस दौरान उन्होंने 3 शतक भी ठोके थे।

आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे प्लेयर हैं अय्यर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज और आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स को अपनी कप्तानी में खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर आज अपना 30वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। उनका जन्म 6 दिसंबर, 1994 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने 1 नवंबर 2017 को न्यूजीलैंड के खिलाफ दिल्ली में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। इसके अलावा अय्यर 2015 से आईपीएल खेल रहे हैं। अय्यर की नेटवर्थ की बात की जाए तो यह करीब 80 करोड़ है। उनकी कमाई का मुख्य सोर्स आईपीएल, बीसीसीआई का सालाना कॉन्ट्रैक्ट और ब्रांड एंडोर्समेंट है। इसके अलावा वह घरेलू क्रिकेट से भी पैसा कमाते हैं। अय्यर को बीसीसीआई से सालाना 3 करोड़ रुपये मिलते थे। हालांकि, उन्हें 2024 में बीसीसीआई का सालाना कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिला। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा।

न्यूज डायरी

विराट कोहली एडिलेड में डॉन ब्रैडमैन की बराबरी से चूके

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जब एडिलेड के मैदान पर उतरे थे तो लगा था कि पर्थ वाला काम यहां भी दोहाएंगे और रिकॉर्ड बुक में अपना नाम लिखवा ले लेंगे, लेकिन इस मैच में भारत के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बने मिचेल स्टार्क ने उनकी उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। स्टार्क ने कोहली को दहाई के अंक में भी नहीं जाने दिया। स्टार्क ने 21वें ओवर की पहली ही गेंद पर कोहली को पवेलियन की राह दिखाई। स्टार्क ने ऑफ स्टम्प के बाहर लैंग्थ बॉल फेंकी। गेंद ने अच्छा बाउंस लिया और कोहली के बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में गई, जहां स्टीव स्मिथ ने उनका कैच लपका। इसी के साथ कोहली डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए। कोहली ने पर्थ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शानदार शतक जमाया था। इसी के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन से आगे निकल गए थे। ब्रैडमैन के 29 टेस्ट शतक हैं तो वहीं कोहली के 30। एडिलेड में भी कोहली शतक जमा ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते थे। ब्रैडमैन के नाम विरोधी टीम के घर में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ उसके ही घर में 11 शतक जमाए हैं। कोहली इस मामले में दूसरे नबंर पर है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में कुल 10 इंटरनेशनल शतक जमाए हैं। अगर वह इस मैच की पहली पारी में शतक जमा देते तो ब्रैडमैन का बराबरी कर लेते और दूसरी पारी में उनके पास महान बल्लेबाज से आगे निकलने का मौका होता।

शुभमन गिल एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में हुए फेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। इसका कारण उनको उंगली में लगी चोट थी। दूसरा मैच एडिलेड में खेला जा रहा है और इस मैच में गिल ने वापसी की। गिल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और लग रहा था कि अर्धशतक जमा देंगे, लेकिन इस मैच में उनका दुश्मन फिर उनके सामने आ गया और फिर गिल ढेर हो गए। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में एक बदलाव किया है। जोस हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को टीम में चुना गया। बोलैंड ने ही गिल को अपना शिकार बनाया। 22वें ओवर की पहली गेंद पर गिल एलबीडब्ल्यू हो गए। बोलैंड ने गेंद ऊपर फेंकी जिसे गिल ने ऑन ड्राइव करना चाहा जिसमें वह चूक गए। गेंद सीधा उनके पैडों पर लगी और अंपायर ने उंगली उठा दी। बोलैंड जब गिल के सामने आ गए थे तभी ये तय माना जा रहा था कि वह आउट हो हो जाएंगे। इसका कारण पुराने आंकड़े हैं। इस मैच से पहले बोलैंड और गिल का सामना दो बार हुआ था और दोनों ही दफा बौलेंड ने गिल को अपना शिकार बनाया था। ये तीसरी बार था जब ये दोनों आमने–सामने थे और एक बार फिर बोलैंड के सामने गिल फेल हो गए। यानी अभी तक गिल तीन बार बोलैंड के सामने आए हैं और तीनों बार उनका शिकार बने हैं। एडिलेड में खेले जा रहे डे–नाइट टेस्ट मैच में भारत की हालत खराब हो गई है।

हैरी ब्रूक के शतक के बाद इंग्लिश गेंदबाजों का कमाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बेसिन रिजर्व, वेलिंगटन में खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड के पास 194 रनों की बढ़त है। मैच का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। दोनों टीमों के बॉलर्स ने मिलकर 15 विकेट चटकाए। मुकाबले की बात करें तो न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लॉथम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम 280 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक ने शानदार शतक लगाया। उन्होंने 115 गेंदों पर 123 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 5 छक्के लगाए। हालांकि, वह रन आउट होकर पवेलियन लौटे। उनके अलावा विकेटकीपर ओली पोप ने फिफ्टी लगाई। पोप ने 7 चौकों और 1 छक्के की मदद से 78 गेंदों पर 66 रन की पारी खेली। इनके अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं कर पाया। क्रिस वोक्स ने 18, सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने 17 और जेकब बेथेल ने 16 रन की पारी खेली।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शनिवार, 7 दिसंबर 2024 पेज 8

भीमराव अंबेडकर की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री धामी।

राज्य सरकार ने शुरू की अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन की तैयारियां

बैठक

■ सीएस ने आयोजन की जिम्मेदारी सम्बन्धित सचिवों को देते हुए एक सप्ताह में एक्शन प्लान तय करने के निर्देश

■सम्मेलन में दुनियाभर से आने वाले उत्तराखंडी प्रवासी भी राज्य के विकास के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करेंगे

संवाददाता

देहरादून। सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने 12 जनवरी 2025 को देहरादून में प्रस्तावित अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन के आयोजन के दौरान विभिन्न सत्रों की जिम्मेदारी सम्बन्धित सचिवों को देते हुए एक सप्ताह में कार्ययोजना तय करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन के दौरान आयोजित होने वाले सत्रों में राज्य में विभिन्न क्षेत्रों जैसे मैन्युफेक्चरिंग, पावर जनरेशन, स्टार्ट–अप आदि में निवेश के सम्भावनाओं पर चर्चा करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेषकर पर्यटन, कृषि, बागवानी, ग्राम्य विकास, उच्च शिक्षा, स्किल डेवलपमेण्ट, हेल्थ केयर, आयुष, योगा आदि पर विचार मंथन करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इन सत्रों में विषय विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के साथ ही अतिथि प्रवासियों को भी वक्ताओं के रूप में शामिल करने के निर्देश दिए हैं।

सचिवालय में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्रस्तावित अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन के आयोजन के दौरान राज्य की लोक संस्कृति, खानपान, स्थानीय हस्तशिल्प, उत्पादों के बेहतरीन प्रदर्शन के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सम्मेलन के दौरान आयोजित किए जाने वाले प्रत्येक सत्र हेतु सम्बन्धित विभाग के सचिव को नोडल अधिकारी बनाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून को सम्मेलन के आयोजन के दौरान शहर एवं आयोजन स्थल की स्वच्छता, पार्किंग व्यवस्था, विदेश से आने वाले प्रवासी अतिथियों के स्वागत–सत्कार हेतु सम्पर्क अधिकारियों, परिवहन, प्रोटोकॉल, रहने, ट्रैफिक की पुख्ता व्यवस्था हेतु निर्देश दिए हैं।

बैठक में अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, सचिव मीनाक्षी सुन्दरम, सचिन कुर्वे, विनोद कुमार सुमन सहित सभी विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुरानी एसीपी का लाभ न मिलने पर कर्मचारी संगठन नाराज

संवाददाता देहरादून। पुरानी एसीपी का लाभ न मिलने पर कर्मचारी संगठनों ने नाराजगी जताई है। राज्य में सिर्फ पॉवर सेक्टर के कर्मचारियों को ही पुरानी एसीपी का लाभ दिया जा रहा है। वित्त विभाग की मंजूरी के बाद शासन स्तर से पुरानी एसीपी का लाभ देने के आदेश होने हैं।

सातवें वेतनमान का लाभ देने के साथ ही पुरानी एसीपी की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था। कर्मचारियों को एसीपी का लाभ 10, 16 और 26 वर्ष की बजाय 10, 20 और 30 वर्ष पर दिया जाने लगा। कर्मचारी संगठनों ने इसका जोरदार विरोध किया। हड़ताल का ऐलान हुआ। सिर्फ बिजली कर्मचारियों को हड़ताल के ऐलान के बाद तत्काल पुरानी एसीपी का लाभ दिया गया। अन्य विभागों के कर्मचारियों के मामले में पुरानी एसीपी का मसला शासन स्तर पर ही फाइलों में घूम रहा है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष अरुण पांडेय ने कहा कि पुरानी एसीपी को लेकर कर्मचारियों का ब्यौरा तक शासन ने कर्मचारी संगठनों से जुटाया। कर्मचारी संगठनों ने काफी समय पहले ही वित्त विभाग को पूरा ब्यौरा उपलब्ध करा दिया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने भीमराव अंबेडकर की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान समाज सुधारक, भारत रत्न से अलंकृत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संपूर्ण जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय की अद्वितीय मिसाल है। हमें उनके आदर्शों पर चलकर एक समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना होगा।

मुख्यमंत्री ने जनता से संवाद कर सुनी जनसमस्याए

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय लोहिया हेड, खटीमा में आम जनता से संवाद कर जन समस्याएं सुनी मुख्यमंत्री ने सम्बंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान अधिकारियों का नैतिक दायित्व है। जनसमस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान हो इस पर अधिकारियों को विशेष ध्यान देना होगा।

हॉकी में ऊधमसिंहनगर बना चैंपियन

संवाददाता देहरादून। युवा कल्याण विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में शुक्रवार खेले गए हॉकी के फाइनल में ऊधमसिंहनगर ने चंपावत को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में शुक्रवार को विभिन्न प्रतियोगिताएं खेली गई। हॉकी का पहला मैच पौड़ी और पिथौरागढ़ के बीच खेला गया। इसमें पिथौरागढ़ ने 6–0 से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में चंपावत ने उत्तरकशी को 4–0 के अंतर से पराजित किया। तीसरे मैच में यूएसनगर ने पिथौरागढ़ को 6–2 के अंतर से हराया और फाइनल में जगह पक्की की। पांचवा मैच देहरादून और चंपावत के बीच खेला गया, इसमें देहरादून ने चंपावत को 3–2 के स्कोर से शिकस्त दी।

जीवन की तल्ख सच्चाई बयां करते 'कागज निगोड़े'

संवाददाता देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र की ओर से केन्द्र के सभागार में युवा साहित्यकार मनु मनस्वी के काव्य संग्रह 'कागज निगोड़े' का लोकार्पण और चर्चा का एक आयोजन किया गया। इस काव्य संग्रह का लोकार्पण साहित्यकार प्रोफेसर रामविनय सिंह, साधना शर्मा और डॉ. अरुण कुकसाल ने किया। इस अवसर पर काव्य संग्रह के विविध पक्षों पर सार्थक चर्चा भी हुई। कविताओं में प्रेम और भूख को इस शिद्दत के साथ पेश किया गया है मानों इसे वर्षों भोगा गया हो।

मसूरी विंटर लाईन कार्निवाल भव्यता से मनाया जाएगा: डीएम

निर्देश

■ डीएम ने अधिकारियों को विंटर लाईन कार्निवाल के कार्यक्रम को एक्सीलेंट बनाने के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी मसूरी, सहित संबंधित अधिकारियों एवं होटल एसोसिएशन के पदाधिकारी के साथ मसूरी विंटर लाईन कार्निवाल 2024 का आयोजन, दिनांक 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2024 तक भव्यता से मनाए जाने को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए, सुझाव एवं दिशा निर्देशों पर तेजी से कार्य करने हेतु रेखीय विभाग अधिकारियों को निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि लोक पारंपरिक उत्पाद व्यंजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मसूरी विंटर लाईन कार्निवाल आयोजन हेतु ठोस रणनीति बनाते हुए अभी से आयोजन समिति का गठन करेंगे। आयोजन में अधिकारी/कर्मचारी सक्रियता एवं आपसीय समन्वय से सौंपे गए दायित्व का निर्वहन करने के दिये निर्देश। लोक पारंपरिक उत्पाद, व्यंजन एवं कलाकारों की प्रस्तुति लाएगी मसूरी विंटर लाईन कार्निवाल में रौनक। डीएफओ मसूरी एवं डीटीडीओ को साहसिक क्रिया–कलाप एवं बर्ड वाचिंग आदि एक्टिविटी को सफल बनाने मिला दायित्व। फिजाओं का बदला हुआ स्वरूप पर दिखेगा, प्रथम बार मालरोड पर गोल्फकार्ड, सुसज्जीत लाईब्रेरी चौंक, बेरियर पर ई–टिकटिंग काउन्टर, मार्डन साईनेजिस, पब्लिक इंक्वारी काउन्टर आदि सुविधा से चकाचौंद मसूरी विंटर लाईन कार्निवाल। पहली बार किंग्रेग एवं हाथीपांव सेटेलाईट पार्किंग से आधुनिक शटल सेवा की संचालन से मसूरी में होगी सुआगमन की सुविधा।

वहीं मसूरी नगर एवं कार्यक्रम स्थल को सौंदर्यकृत करने हेतु उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि रंग–रोहन, लाइटिंग, सड़क, फुटपाथ से लेकर मंच इत्यादि समुचित कार्यों की तैयारी अभी कर ली जाए।

राफ्टिंग बेस स्टेशन से पर्यटन में कई गुना इजाफा होगाः सुबोध

संवाददाता ऋषिकेश। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने ऋषिकेश के पास आधुनिक राफ्टिंग बेस स्टेशन की स्वीकृति मिलने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के अंतर्गत ऋषिकेश के पास आधुनिक राफ्टिंग बेस स्टेशन की स्वीकृति दिया जाना सराहनीय है। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि 100 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले इस आधुनिक राफ्टिंग बेस स्टेशन में अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध मिलेंगी। जिससे ऋषिकेश व आसपास क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में कई गुना इजाफा होगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर खुलने के साथ आर्थिकी मजूबत होगी। जिस कारण यह बेस स्टेशन अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं का केंद्र बनेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।